Chapter-1 इतने ऊँचे उठो

CLASS-8, HIGHER HINDI

Camlin Page
Date / /

मौखिक

क.) संसार किन ज्वालाओं में जल रहा है?

→ संसार इस समय जाति - पांति, धर्म, रंग के आधार पर होने वाले भेद - भावों की ज्वाला में जल रहा है।

ख.) कविता में किन बंधनों को तोड़ने की बात की गई है?

→ कवि कह रहे हैं कि जो बीत गया है, उसी में उलझें ना रहें भूतकाल से उतना ही लें जो विकास के लिए जरूरी है। पुरानी परम्पराओं को ढोते रहने से हमारा विकास संभव नहीं है इसलिए पुरानी परम्पराओं के बंधनों को तोड़कर उनसे मुक्त हो जाओ।

ग.) युग की नई मूर्ति - रचना का क्या अर्थ है?

→ कवि युवाओं से यह आशा करता है कि वह वर्तमान स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रयास करें। अपनी मौलिक और व्यवहारिक सोच से नई समाज की रचना करें। नए संगीत और नई भाषा को नए शब्दों से सवारें तथा नए समाज की रचना में इतने मौलिक बन जाएँ कि जैसा स्वयं सृजन होता है।

क.) ज्वालाओं से जलते जग में गलत पवन की तरह बहने का क्या तात्पर्य है?

→ यह संसार जाति-भेद, रंग-भेद के आधार पर होने वाले भेद-भावों की ज्वाला में जल रहा है।

ख.) मौलिकता और सृजन का क्या संबंध है?

→ मौलिक विचार ही ~~उत्तम~~ रचना का साधन बनते हैं किसी का अनुकरण या नकल करके हम उसकी अनुकृती को बना सकते हैं लेकिन वह रचना जिसका हम अनुकरण करें केवल मौलिक विचारों द्वारा ही संभव है।

ग.) कवि अतीत से किस पोषक को लेने की बात कह रहा है?

→ कवि कहते हैं ~~कि~~ जो बीत गया तुम उसमें उलझे ना रहो। उससे उतना ही लो जो आज के युग में आवश्यक है। पुरानी परम्पराओं को ढोते रहने से प्रगति का मार्ग अवरुद्ध हो जाएगा इसलिए अतीत से उतना ही लो जो हमारे लिए पोषक है। जो हमारी सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा है और हमारी प्रगति में सहायक है।

Q.) समाज में परिवर्तन कैसे आएगा?

→ समाज में परिवर्तन नई विचारधारा से आएगा। नई सोच वाले प्रगतिशील युवाओं के प्रयासों से रूढ़िवादी परम्पराओं की जकड़न से मुक्त होगा। संसार में परिवर्तन की ऐसी धारा बहेगी कि धरती स्वर्ग के समान सुंदर हो जाएगी।

Exercises book में दी है।